प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

गाजरघास जागरूकता एवं उन्मूलन सप्ताह के चौथे दिन

पंतनगर। 19 अगस्त 2025। विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा गाजर घास जागरूकता एवं उन्मूलन सप्ताह के अंतर्गत एन. ई बोरलॉग फसल अनुसंधान केन्द्र में सभा का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन थे। सभा में अधिष्ठाता कृषि डा. सुभाष चन्द्र, विभागाध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग डा. रोहिताश सिंह, कार्यवाहक संयुक्त निदेशक फसल अनुसंधान केन्द्र डा. ए.पी. सिंह, संयुक्त निदेशक डा. अमित भटनागर, संयुक्त निदेशक, प्रजनक बीज उत्पादन केन्द्र एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. ए.एस. जीना, परियोजनाधिकारी डा. एस.पी. सिंह, पूर्व परियोजनाधिकारी डा. तेज प्रताप के अतिरिक्त छात्र–छात्राएं, कृषि श्रमिक, खरपतवार परियोजना से संबंधित 50 लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में परियोजनाधिकारी डा. एस.पी. सिंह ने गाजरघास के लगातार कृषि क्षेत्र में प्रकोप, मनुष्यों, जानवरों, वातावरण को दुष्प्रभावित करने के बारे मे विस्तृत जानकारी दी तथा इससे संबंधित चलचित्र भी दिखाया गया। विभागाध्यक्ष डा. रोहिताश सिंह ने जन सामुदाय के माध्यम से गाजर घास के नियंत्रण पर प्रकाश डाला। अधिष्ठाता कृषि डा. सुभाष चन्द्रा ने नये कृषि यंत्रों जैसे ग्रास कटर एवं फ्लेम विधि द्वारा गाजरघास के नियंत्रण पर बल दिया, निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन ने गाजरघास के जागरूकता एवं उन्मूलन सप्ताह के महत्व के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा परियोजना द्वारा चलाये जा रहे इस कार्यक्रम की भूरी–भूरी प्रशंसा की तथा सुझाव दिया कि अगर इसको एक परियोजना के रूप मे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा स्वीकृति दी जाये तो बेहतर तरीके से उन्मूलन किया जा सकता है तथा राज्य सरकार इसमें कुछ नियम बनाकर इसके उन्मूलन के लिए सहायता राशि प्रदान करें तब भी इस कार्यक्रम को प्रभावी बना सकते है या राज्य सरकार एक पॉलसी बनाकर लागू करें तब कार्यक्रम को अच्छी तरह से क्रियान्वित किया जा सकता है। अंत में डा. तेज प्रताप प्रध्यापक एवं पूर्व परियोजनाधिकारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।